Popular Front of India

G-78, 2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindi Kunj, Noida Road, New Delhi- 110025

PopularFrontofIndiaOfficial/ www.popularfrontindia.org

popularfrontmail@gmail.com 011- 29949902

प्रेस रिलीज़

16 मार्च 2019

नई दिल्ली

पॉपुलर फ्रंट ने न्युज़ीलैंड मस्जिद हत्या कांड की निंदा की
''इस्लामोफोबिया की राजनीति को हर हाल में पराजित किया जाए; मीडिया को मुसलमानों को बदनाम करने से रोका जाए''

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ई. अबूबकर ने न्युज़िलैंड के क्राइसचर्च सिटी में दो मस्जिदों अलनूर मस्जिद और लिनवुड मस्जिद में जुमा के दिन नमाज़ियों की हत्या की भयावह वारदात पर गहरे दुख और सदमे का इज़हार किया है। इस घटना में लगभग 50 लोगों के मारे जाने और कई एक के घायल होने की ख़बर है। सभी पीड़ित जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, बेगुनाह और निहत्थे मुस्लिम नमाज़ी थे, जो जुमा की नमाज़ के लिए वहां जमा हुए थे।

''पीड़ितों के परिजनों और मित्रों को लेकर हमारा दिल बहुत ही तकलीफ में है। हम ईश्वर से उनके लिए धैर्य और धीरज की दुआ करते हैं। यह हमला मुसलमानों, इस्लाम और शरणार्थियों के प्रति नफरत की भावनाओं का नतीजा था। पश्चिमी देशों में इस प्रकार की छोटी बड़ी वारदातें आए दिन हाने लगी हैं। इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि नफरत का यह माहौल यूरोप और अमेरिका की दक्षिणपंथी पार्टियों और नेताओं की मज़बूती के साथ ज़ोर पकड़ता जा रहा है। अपने भविष्य को मज़बूत करने की कोशिश में ये नेता और मीडिया इन देशों में अल्पसंख्यकों, शरणार्थियों और मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। मुस्लि विरोधी माहौल पर अब पश्चिमी सरकारों का कंट्रोल नहीं है। बल्कि इन देशों में बसने वाले मुसलमानों के आम जीवन के लिए यह नफरत खतरा बन गई है। ये हमलावर कट्टरपंथी जुनूनियों की हद तक सीमित नहीं होते। न सिर्फ कट्टरपंथी नस्लवादी समूह, बल्कि बड़ी राजनीतिक पार्टियां भी कई देशों में ऐसे अपराधों को बढ़ावा दे रही हैं। यह बड़ी शर्मनाक बात है कि 50 हज़ार से भी कम और कुल आबादी के सिर्फ एक प्रतिशत छोटे से हिस्से को न्युज़ीलैंड में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताने की कोशिश की जा रही है।''

ई. अबूबकर ने यह उम्मीद जताई कि इस मुस्लिम विरोधी बदतरीन वारदात को देखते हुए यूरोप और अमेरिका के सूझ बूझ रखने वाले लोगों को इस्लामोफोबिया की राजनीति और मुसलमानों को बदनाम करने की मीडिया की कोशिशों को शिकस्त देने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने इस खबर पर भी चिंता व्यक्त की कि इन वारदातों के पीड़ितों में कुछ भारतीय और भारतीय मूल निवासी भी हैं। उन्होंने विदेश मंत्रालय से उन लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान करने और न्युज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीय मुसलमानों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपील की।

डॉ० मुहम्मद शमून
डायरेक्टर, जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली